''जो आत्मा को पावन करे, वो पर्व है''

अनुपमा जैन, इन्दौर। '' जो भोगी को भी संयम सिखाये और जो आत्मा को पावन करे, वह पर्व है। पर्यूषण पर्व की यह सारगर्भित परिभाषा दी आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के परम् शिष्य ब्र. श्री अनिल भैयाजी ने जो समाज के वार्षिक क्षमावाणी एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने माता पिताओं को बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का आह्वान की।

क्षमावाणी और प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में भैयाजी के साथ इंदौर समाज के गणमान्य ट्रस्टी एवं नागपुर समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री नेमीचंदजी एवं प्रकाशचंदजी तथा ललितपुर समाज से श्री उत्तमचंदजी जैन अतिथियों के रुप में मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमति योजना राज पंचरत्न के सुमधुर मंगलाचरण की प्रस्तुति से हुआ। अतिथियो के सम्मान के पश्चात पर्यूषण पर्व में तपसाधना करने वाले श्रावकों को सम्मान किया गया। यह सम्मान प्रतिष्ठित विद्वान पं. श्री बाबूलालजी फणीश ऊनवालों की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के इस भाग का संचालन श्री सुधेश कुमार ने किया। इसके साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट सेवायें देने वाले समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे मेघावी छात्रों का सम्मान किया गया। इसमें कक्षा एक से कक्षा बारहवीं तक विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिये गये। यह पुरस्कार पं. खेमचंदजी इन्दौर की स्मृति में उनकी सुपुत्री श्रीमती विजया अजय जैन, ललितपुर द्वारा प्रदान किये गये। प्रत्येक विद्यार्थी को इन्दौर समाज की ओर से पुरस्कार एवं 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति अनुपमा जैन द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रम परम्परानुसार समाज के एकमात्र मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, न्यू देवास रोड़ पर सम्पन्न हुआ। वर्तमान में मंदिरजी में जीर्णोद्धार का कार्य पूर्णता की

ओर है। उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंदिरजी जीर्णोद्धार, गोलालारीय दर्शन पत्रिका एवं क्षमावाणी भोजन व्यवस्था में बढ़ चढ़कर सहयोग राशि दान की । समाज की महिला मंडल शाखा द्वारा रुपये 25000/– की राशि दान दी गई । सचिव श्री बाहुबली जैन ने वार्षिक गतिविधियों को ब्यौरा दिया एवं अध्यक्ष श्री कोमलचंद ने आभार प्रदर्शन किया। इसके पश्चात श्री जी का अभिषेक हुआ तत्पश्चात सभी ने परस्पर क्षमायाचना एवं स्वामी वात्सल्य का आनंद लिया।

* गोलालारीय समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न *

अनिल जैन, छतरपुर। पयूर्षण पर्व के दौरान नगर के सभी मंदिरों में नित्य पूजा अर्चना के साथ पर्व के दसों दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सानंद संपन्न हुआ। क्षमावाणी कार्यक्रम के दौरान गोलालारीय समाज के प्रतिभावान छात्रों को 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका द्वारा प्रदत्त प्रशंसा पत्र नगर समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी श्री पदमचन्द्रजी टिकरियावाले हरपालपुर के कर कमलों द्वारा वितरित किये गये। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान में हम सभी अपने बच्चों को संस्कारवान बनाये और उन्हें जैनदर्शन के बारे में अवगत करावे और सभी विद्यार्थी आगामी परीक्षा में और अच्छे अंक अर्जित कर समाज को गौरवांवित करे। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। श्री धन्यकुमार जैन, श्री जिनेन्द्र जैन पहाड़गांव, श्री पुष्पेन्द्र जैन पनोठा, श्री पुष्पेन्द्र जैन चेतगिरी कालोनी, मनोज जैन, अमित जैन, रवीन्द्र जैन, सचिन जैन, अनिल जैन, श्रीमती रेखा जैन इस अवसर पर उपस्थित हुई। कार्यक्रम का संचालन श्री अनिलकुमार जैन द्वारा किया गया।

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। ''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गंजबासौदा गोलालारीय समाज के संयुक्त कार्यक्रम में नगर के होनहार प्रतिभाओं का सम्मान अनिल प्रिंटिंग प्रेस पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि लखनऊ से पधारे श्री पी.सी. जैन से.नि. बैंक प्रबंधक थे। इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली

बच्चों को ''गोलालारीय दर्शन'' पत्रिका द्वारा प्रमाण पत्र एवं कार्याध्यक्ष श्री डॉ. अनिल जी दिवाकीर्ति द्वारा अपने पूज्य पिता श्री श्रीनन्दन लाल जी दिवाकीर्ति की स्मृति में स्मृति चिन्ह स्वरूप ट्राफी प्रदान की गई। सर्वप्रथम मास्टर अरिहंत जैन द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात विशेष अतिथि श्री पी.सी. जैन, श्री डॉ. अनिल जी दिवाकीर्ति, समाज अध्यक्ष शांतिकुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेशचंद भंडारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्री शिखरचंद जी जैन शिखर द्वारा किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पर्युषण पर्व

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पर्युषण पर्व मनाये गये। नगर के सातों दिगम्बर जैन मंदिरों व पाँच तारण तरण चैत्यालय में पूर्ण भक्ति भाव से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रत्येक मंदिर में बाहर से पधारे हुये विद्वानों ने दशलक्षण पर्व पर मार्मिक प्रवचन कर दश धर्मो का सार बताया। प्रात: अभिषेक शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा पश्चात विद्वानों द्वारा तत्वार्थ सूत्र की वाचना की गई। रात्रि में संगीतमय आरती, एवं प्रवचन तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये जिसमें समाज के बच्चे से लेकर युवा एवं बुजुर्गो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसी क्रम में स्थानीय महावीर बिहार में तेजस ग्रुप द्वारा आपकी अदालत कार्यक्रम रखा गया। जिसमें नगर के लोक प्रिय विधायक श्री निशंक जैन को जनता (समाज) के प्रश्नों का जवाब देना था। उपस्थित जन समूह के सामाजिक एवं नगर विकास संबंधी प्रश्नों का विधायक श्री निशंक जैन ने बड़े उत्साह से जवाब देकर जनता (समाज) का दिल जीत लिया।

पर्युषण पर्व के सानंद संपन्न होने के पश्चात देवाधिदेव 1008 श्री जिनेन्द्र भगवान एवं तारण समाज की जिनवाणी पालकी जी का चल समारोह एक साथ बड़ी ही प्रभावना के साथ निकाला गया। चल समारोह 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धूलसरपूरा से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होता हुआ 1008 श्री त्रिमूर्ति जैन मंदिर पहुंचा जहाँ श्री जी के अभिषेक शांतिधारा का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात सकल जैन समाज का क्षमावाणी कार्यक्रम संपन्न हुआ। चल समारोह में आगे आगे धर्मध्वजा लिये हुये घुड़सवार थे इसके बाद दिव्य घोष जैन धर्म की जय घोष करते हुये चल रहे थे। तत्पश्चात युवाओं की टोली भजन गाते हुये चल रही थी इसके बाद श्री जिनेन्द्र देव का विमान एवं श्री पालकी जी को श्रद्धालु अपने कंधो पर उठाये जय जयकार करते हुये चल रहे थे। चल समारोह में जगह जगह श्री जिनेन्द्र देव एवं जिनवाणी जी आरती उतारी गई। रात्रि में संगीतमय आरती के पश्चात अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रख गया। चल समारोह में बहुत अधिक संख्या में लोगो ने भाग लिया।

श्रेयांसकुमार जैन, अहमदाबाद । नगर के विभिन्न मंदिरों में पयूर्षण पर्व के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन सानंद संपन्न हुआ ।

* अंबिका नगर, हरिशचंद जैन । श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ दिग. जैन मंदिर जी में पयूर्षण पर्व के दौरान पं. श्री अखिलेशकुमारजी शास्त्री (सांगानेर) संगीत पार्टी कमलकुमार (अहमदाबाद) द्वारा संगीतमय कार्यक्रम के साथ प्रात: अभिषेक, शांतिधारा पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, दोपहर मोक्षशास्त्र का वाचन, सायंकाल संगीतमय आरती पश्चात प्रवचन एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ हुई। अंतिम दिन विराट मूर्तिका महाभिषेक हुआ। क्षमावाणी के साथ वात्सल्य भोज का श्रेय अंबिकानगर निवासी श्री विनयकुमार धन्यकुमार (राजा) की ओर से सानंद हुआ। श्री अजितकुमारजी ने समाज से क्षमावाणी पर आभार प्रकट किया।

* मेघाणी नगर (नेताजी नगर), नरेश जैन। श्री 1008 सुमतिनाथ दि. जैन मंदिरजी में पयूर्षण पर्व पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, सायंकाल मंगल आरती, प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। क्षमावाणी दिवस पर भव्य रथयात्रा हर्षोल्लास पूर्वक निकाली गयी तत्पश्चात प्रभावना वितरण संपन्न हुआ ।

* शिवानंद नगर , हुकुमचंद पंचरत्न । श्री महावीर दि. जैन मंदिर में महापर्वाधिराज पयूर्षण पर्व पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, पूजन–विधान आनंद से संपन्न हुए। चतुर्दशी पर विशेष कार्यक्रम के साथ पर्व संपन्न हुए। क्षमावाणी पर्व पर स्वामी वात्सल्य व रथयात्रा धूमधाम से निकाली गयी।

* गोमतीपुर, सुरेन्द्र जैन। नगर का प्राचीन जिन मंदिर श्री संभवनाथ दि. जैन मंदिरजी में प्रात: अभिषेक, शांतिधारा व पूजन संगीत के साथ सानंद संपन्न हुई। सायंकाल चतुरसिंग एण्ड पार्टी (करैरा) के संगीत के साथ पं. संजीवकुमार वरथुवां मंगल महाआरती हुयी। निर्माणाधीन जैन भवन का कार्य तीव्रगति से चलता देख समस्त समाज ने कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा कर सहयोग प्रदान किया, शीघ्र ही यह निर्माण कार्य पूर्ण हो ऐसा श्रीजी से प्रार्थना की।